हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार 14 अप्रैल 2026

11 गुरुजी ने आज के दिन हजारों की संख्या में से मांगे थे पांच...

12 दावे में नहीं दम, सफाई व्यवस्था बेदम नाला बनीं ...

SARASWATI VIDYA VIHAR
Asalwas Dubia
COMPETITIVE COACHING
Expert faculty from CAREER POINT, Kota
NEET | JEE | NDA | PRE-FOUNDATION | OLYMPIADS
ADMISSION OPEN 2026
911 411 6000

खबर संक्षेप

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला 22 को

भिवानी। राजकीय आईटीआई प्रांगण में 22 अप्रैल को सुबह नौ बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, फिटर, मशीनिस्ट, ऍमऍमवी, मैकेनिक ट्रैक्टर, टीपीईएस, टर्नर, वायरमैन, वेल्डर से पास लड़के व लड़कियां जिसने आईटीआई पास की हो वे भाग ले सकते हैं। रोजगार मेले में आनंद ग्रुप पैन इंडिया, युएनओ मिंडा फरुखनगर गुरुग्राम के अधिकारी विद्यार्थियों का अप्रेंटिस व प्लेसमेंट के लिए चयन करेंगे। आईटीआई पास छात्र-छात्राएं, जिनकी आयु 18 से 25 वर्ष तक हो, वह भाग ले सकते हैं। वर्ग अनुदेशक वीरेंद्र कुमार व शिक्षुता अनुदेशक अमरदीप मलिक ने आईटीआई पास छात्रों से अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले का लाभ उठाने की अपील की है।

होम्योपैथी चिकित्सा शिविर में मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

भिवानी। होम्यापैथिक के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हनुमान जोहड़ी मंदिर में होम्योपैथी निःशुल्क चिकित्सा कैंप लगाया। कैंप का उद्घाटन महंत चरणदास ने किया। इस मौके पर अरोड़ा होम्योकेयर के डॉ. कशिश अरोड़ा ने अपनी टीम के साथ कैंप में सेवाएं दी। इस मौके पर मरीजों को निःशुल्क दवाइयां व मेडिकल सलाह दी। डॉ. कशिश अरोड़ा ने बताया कि होम्योपैथी वह पद्धति है, जिसके द्वारा मरीजों का इलाज बगैर दवा के दुष्प्रभाव के होता है। कैंप में त्वचा रोग व ब्लड प्रेशर व शुगर के मरीजों को न केवल दवायां दी, बल्कि स्वास्थ्य का ध्यान के संबंध में जरूरी टिप्स दिए।

मौसम किसानों के अनुकूल हुआ तो तकनीक हो गई प्रतिकूल

पांच घंटे सर्वर का मुंह ताकते रहे किसान साढ़े तीन बजे के बाद मिला मंडी में प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी/बवानीखेड़ा/तोशाम/लोहारू

मौसम का मिजाज शांत हुआ तो रबी फसलों की कढ़ाई के कार्य ने तेजी पकड़ी और मंडियों में किसानों के गेहूं से भरे ट्रैक्टरों की संख्या बढ़ने लगी तो सरकार का पोर्टल जवाब दे गया। सोमवार को करीब पांच घंटे तक भिवानी की अधिकाशं खरीद केंद्रों पर गेट पास के लिए फोटो ही अपलोड नहीं हो पाया। जिस वजह से सभी खरीद केंद्रों पर गेहूं से भरे ट्रैक्टरों व अन्य वाहनों की लंबी लंबी कतारे लग गई। किसानों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। पर गेट पास जारी नहीं हो पाए। मार्केट कमेटी के अधिकारियों ने आला अधिकारियों से मामले की जानकारी दी तो करीब साढ़े तीन बजे सभी खरीद केंद्रों पर फोटो अपलोड की बजाए किसान के ट्रैक्टर का नम्बर, पंजीकृत मोबाइल नम्बर व अन्य जानकारी दर्ज करने के बाद ट्रैक्टरों को मंडियों में प्रवेश मिला। प्रवेश मिलने का कार्य शुरू होने के करीब दो घंटे तक मंडियों के बाहर खड़े ट्रैक्टरों की लाइन छोटी हुई। सबसे बुरी स्थिति बवानीखेड़ा, तोशाम खरीद केंद्रों पर बनी रही।

बताते हैं कि करीब साढ़े 11 बजे के आसपास अचानक गेट पास जारी करने वाला सर्वर जवाब दे गया। अनाजमंडियों के गेट पर बैठे कर्मचारियों ने कई बार सर्वर पर गेट पास जारी करने का प्रयास किया,लेकिन बात नहीं बनी। यह स्थिति साढ़े तीन बजे तक बनी रही। उसके बाद आला अधिकारियों ने सभी मार्केट कमेटी के सचिवों को फोन से ही पोर्टल पर अपलोड करने की बजाए रजिस्टरों में किसान का नाम, मेरा फसल मेरा ब्योरा पर पंजीकृत मोबाइल नम्बर, किसान का पूरा पता दर्ज करने के बाद मंडियों में प्रवेश कराने के निर्देश दिए। करीब पौने चार बजे के बाद सभी मंडियों में ट्रैक्टरों का प्रवेश सुचारू रूप से शुरू हुआ। हालांकि मंडियों में ट्रैक्टरों की लाइन तो शाम साढ़े पांच बजे तक लगी रही,पर इस दौरान किसानों में गेट पास को लेकर हायतौबा नहीं देखी गई। अखिल भारतीय किसान सभा के तहसील प्रधान राजेश कुंगर, तहसील सचिव रामअवतार भाकर, राजेंद्र धायल, महा हनुमान रोहिला, अनुप शर्मा, रामधारी यादव सहित कई किसान मंडी में मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सुबह से ही किसान अपनी उपज लेकर मंडी में पहुंचे थे, लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण उन्हें घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ा। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि सर्वर समस्या का स्थायी समाधान किया जाए ताकि भविष्य में उन्हें इस तरह की का सामना नहीं करना पड़े।

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के हांसी रोड पर लाइन में खड़े ट्रैक्टर और अनाजमंडी में एकत्रित किसान। फोटो : हरिभूमि

रजिस्टर में किसान का नाम और ट्रैक्टर नम्बर दर्ज कर दिया प्रवेश

मार्केट कमेटी के सचिव देवेंद्र कुमार ने बताया कि सोमवार को दोपहर 12 बजे सर्वर डाऊन हो गया, जिससे यह समस्या आई है। उसके बाद तत्काल आला अधिकारियों को सूचना दी। सूचना के बाद आला अधिकारियों ने रजिस्टर में किसान का नाम, ट्रैक्टर नम्बर, मेरा फसल मेरा ब्यौरा पर पंजीकृत मोबाइल नम्बर दर्ज करवाने के बाद ट्रैक्टरों को प्रवेश दिया जा रहा है। उनसे मंगलवार को भी इसी तरह की व्यवस्था होने के बारे में पूछे जाने पर बताया कि आज तो इसी आधार पर प्रवेश दिलाया जा रहा है। कल आला अधिकारी क्या निर्देश देते है। उसी आधार पर ट्रैक्टरों का प्रवेश व गेट पास जारी होंगे। आज जो जानकारी रजिस्टर में दर्ज की गई है,उसको मेरा फसल मेरा ब्यौरा पर दर्ज होगा, इस पर उन्होंने अधिकारियों के दिशा निर्देश के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

अनाजमंडी में ई-खरीद साइट धीमी होने से किसान परेशान

लोहारू। इस बार मंडियों में खरीद प्रक्रिया के दौरान शुरू की गई बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन सिस्टम किसानों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। किसानों के अनुसार सोमवार को लोहारू में ई खरीद साइट काफी धीमी होने के कारण किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। अनेक किसानों ने सरकार की खरीद की नई प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं तथा टोकन सिस्टम को आसान करने की मांग की है। उधर लोहारू में धरने पर बैठे किसानों ने भी सरकार की बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन सिस्टम की आलोचना की। किसान सतबीर दहिया गिगनाऊ ने कहा कि वेरीफिकेशन के कारण गेट पास जारी होने में बहुत सा समय लगता है, जिसकारण मंडियों में ट्रैक्टरों की लंबी लंबी कतारें लग जाती है। अनेक बार इंटरनेट सर्वर डाउन होने से किसान की वेरिफिकेशन नहीं हो पाती। किसान मोर्चे के माध्यम से इन नये नियमों को रद्द करने की मांग करते हैं, ताकि खरीद का काम सुचारू रूप से चल सके। नरेन्द्र ने बेमौसमी बारिश तेज हवाओं और ओलावृष्टि से गेंहू की फसल को बहुत नुकसान हुआ है।

राकेश पंवार जोगीनाथ समाज के प्रधान व वेदप्रकाश महासचिव बने

भिवानी। जोगीनाथ धर्मशाला सेवानगर भिवानी में जोगीसमाज की आम सभा का आयोजन किया,जिसकी अध्यक्षता रामअवतार ने की। सभा में निवर्तमान कमेटी द्वारा अपना लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिस पर समाज के सभी उपस्थितजनों ने अपनी सहमति जताई तथा सर्वसम्मति से जोगीनाथ धर्मशाला की नई कमेटी का गठन किया। नई कमेटी में एडवोकेट राकेश पंवार को प्रधान, वेदप्रकाश को महासचिव व रवि लांबा को कैशियर चुना गया। इसके साथ-साथ श्रीगुरु गोरखनाथ सेवा समिति सेवानगर कॉलोनी के प्रधान पद के लिए महेंद्र सिंह गुलिया को सर्वसम्मति से मनोनीत किया। सभी मनोनीत पदाधिकारियों का पूर्व प्रधान संतलाल, पूर्व उपप्रधान कपूर सिंह, पूर्व महासचिव सतबीर सिंह लांबा, पूर्व खजांची इंद्रसिंह लांबा तथा सतवीर सिंह पंवार आदि ने फूल मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया।

सीडब्ल्यूसी ने अभियान चलाकर दो मासूमों को किया रेस्क्यू

भिवानी। मासूम कंधों से मजदूरी का बोझ हटाकर उन्हें कलम थमाने के संकल्प के साथ जिला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) और पुलिस की संयुक्त टीम ने बालश्रम के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है। जुई क्षेत्र में चलाए विशेष अभियान के दौरान टीम ने दो मासूम बच्चों को रेस्क्यू कर उनके बचपन को शोषण की बेड़ियों से आजाद करवाया। सीडब्ल्यूसी के सदस्य अधिवक्ता धीरज सैनी ने बताया कि यह केवल दो बच्चों का रेस्क्यू नहीं है, बल्कि समाज के उस काले पक्ष पर एक कड़ा प्रहार है, जहां गरीबी और मजबूरी का फायदा उठाकर बच्चों का भविष्य अंधकार में झोंका जा रहा था। उन्होंने बताया कि सफलता टीम वर्क का परिणाम है। अधिवक्ता सैनी ने स्पष्ट किया कि टीम की नजरें जिले के उन तमाम संवेदनशील इलाकों पर हैं, जहां बाल श्रम की संभावना सबसे अधिक होती है।

सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक में बोले-सांसद

संभावित सड़क हादसों वाली जगहों पर सावधानी के लिए साइन बोर्ड लगाए जाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में सांसद चौ. धर्मबीर सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सांसद धर्मबीर सिंह ने सड़क निर्माण से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों को सड़कों पर बने गड्ढों को तुरंत प्रभाव से भरने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अत्यधिक हादसों वाले स्थानों पर साइड बोर्ड लगवाएं ताकि सड़क हादसों में किसी की अकाल मौत ना हो। उन्होंने कहा कि हादसों में घायल व्यक्तियों को पीएम राहत योजना के तहत मिलने वाली 1.50 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा का लाभ जिला में मिलना सुनिश्चित करें। इसके लिए मुख्यालय पर आवश्यक पत्राचार शीघ्र किया जाए। बैठक में डीसी साहिल गुप्ता भी मौजूद रहे। सांसद ने निर्देश देते हुए कहा कि पीएम राहत योजना बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है, जो सडक़ हादसों में घायल व्यक्तियों के उपचार में बहुत बड़ी राहत देती है।

उन्होंने कहा कि सडक़ हादसों की वजह से किसी की जान नहीं जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि नेशनल और स्टेट हाईवे पर हादसों वाली जगहों पर चिन्हित करें। अत्यधिक सड़क हादसे होना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सडक़ हादसे वाले संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां पर साइन बोर्ड या स्पीड ब्रेकर बनाने आदि के आवश्यक कदम उठाए जाएं। सांसद ने कहा कि विशषतौर पर युवा वर्ग को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करें ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके।

रोडवेज कर्मचारी के साथ मारपीट का जताया विरोध

तोशाम। तोशाम सब डिपो में कार्यरत रोडवेज कर्मचारी के साथ गत दिनों हुई मारपीट के विरोध में सोमवार को रोडवेज कर्मचारियों ने बस स्टैंड पर एकत्रित होकर विरोध जताया। इस दौरान रोडवेज कर्मियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं हुई और उन्हें न्याय नहीं मिला तो उन्हें बड़ा आंदोलन करने पर विवश होना पड़ेगा। तोशाम रोडवेज सब डिपो में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत राजेंद्र सिंह ने आरोप लगाते हुए बताया कि गत 28 मार्च को रोडवेज कर्मचारी तथा अधिकारी किसी कार्य के लिए तोशाम थाना परिसर में गए हुए थे। इस दौरान वहां पर पहले से मौजूद प्राइवेट बस संचालक गांव बजीना निवासी कृष्ण कुमार ने बिना वजह रोडवेज विभाग को गालियां दी। उन्होंने रोडवेज अधिकारी सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह पर अचानक हमला कर दिया तथा हाथापाई करते हुए थप्पड़ मारा।

हरिभूमि सहेली

स्पेशल : वर्ल्ड आर्ट-डे, 15 अप्रैल

रंगों-रेखाओं से खिलता है बचपन

अगर बच्चे रेखाओं के माध्यम से कोई आकृति बनाते हैं, उसमें रंग भरते हैं, मनमोहक चित्र सृजित करते हैं या कोई सुंदर-सा क्राफ्ट वर्क करते हैं तो उन्हें रोकें-टोकें नहीं, बच्चे को प्रोत्साहित करें। यह उनकी ऐसी अभिव्यक्ति है, जिससे बच्चों की रचनात्मकता तो बढ़ती ही है, उनका व्यक्तित्व भी निखरता-खिलता है।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते कुछ बरसों में बचपन के बहुत से रंग पढ़ाई के बोझ तले दबते जा रहे हैं। जबकि एकेडेमिक फ्रंट पर अच्छा परफॉर्म करने के साथ ही, बालमन के अहसासों की अभिव्यक्ति भी बहुत जरूरी है। समझना मुश्किल नहीं कि एक्सप्रेसिव होने के लिए कोई न कोई माध्यम चाहिए। आर्ट एंड क्राफ्ट बच्चों के मनोरंजन, मनोभावों के एक्सप्रेशन का एक अच्छा माध्यम है, साथ ही यह बच्चों को वर्चुअल दुनिया से दूर करके उन्हें रचनात्मक बनाकर सकारात्मक तरीके से व्यस्त रखने का एक सुंदर तरीका है। इसीलिए उम्र के एक पड़ाव पर बच्चों का सहज रूप से कोई ना कोई कलात्मक एक्टिविटीज करना जरूरी है। पैरेंट्स को भी बच्चों को आर्ट की दुनिया से जोड़कर रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे बच्चे का व्यक्तित्व संवरता और निखरता है।

कला से अभिव्यक्त होते एहसास

रंग, रेखाएं, आकार, कोई खास स्टाइल, बालमन में बसी कोई बनावट, ये सब मात्र कागज पर रंगीन कलम-पेंसिल से की गई कलात्मकता भर नहीं हैं। असल में देखा जाए तो यह बच्चों के मन की शब्दावली है। उनके भावों की अभिव्यक्ति है। बच्चों द्वारा उकेरी गई कोई भी कलाकृति उनके दुनिया को देखने के नजरिए को दर्शाती है। जिन भावनाओं और कल्पनाओं को शब्द नहीं दिए जा सकते, आर्ट एंड क्राफ्ट के जरिए बच्चे उन्हें रचनात्मक ढंग से एक्स्प्रेस कर सकते हैं। इससे बच्चे को कुछ नया भी एक्सप्लोर करने का अवसर मिलता है। अपनी सोच के मुताबिक वे कुछ विशेष रचते हैं। बच्चे लीक से हटकर सोचने और उसे धरातल पर उतारने की सोच से जुड़ते हैं। उनके मोटर स्किल्स निखरते हैं। यही वजह है कि आर्ट के माध्यम से अभिव्यक्त होते एहसास केवल मासूमियत के रंग भर नहीं होते, ये रंग और रेखाएं बच्चों की सोच-समझ को दिशा भी देते हैं।

बच्चों की मनःस्थिति को समझें

अच्छे स्वास्थ्य और सकारात्मक व्यस्तता के लिए बहुत आवश्यक है कि बच्चे कुछ समय रंगों और रेखाओं की दुनिया में भी बिताएं। विशेषज्ञ मानते हैं कि पेंटिंग-ड्राइंग बच्चों के लिए अपनी खुशी, भय, गुस्से या किसी तरह की शिकायत को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का माध्यम भी होते हैं। बच्चों की कलाकारी के मासूम रंग कई बार उनकी बिखरती मनःस्थिति से भी मिलवाते हैं। कुछ समय पहले नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स द्वारा यौन हिंसा के शिकार बच्चों का पता लगाने के लिए एक नई पहल भी यही बात कहती है। बाल आयोग के मुताबिक बच्चों के सेक्सुअल हेरेसमेंट का पता लगाने के लिए आर्ट सबसे बेहतरीन माध्यम है। ड्राइंग या पेंटिंग के जरिए न केवल बच्चे खुलकर अपनी बात कह पाते हैं बल्कि उनके दर्द को समझा भी जा सकता है। आमतौर पर शोषण के शिकार बच्चे अपनी बात कहने में डरते हैं। किसी के आगे अपना मन नहीं खोलते। यही वजह है कि आयोग द्वारा 'असेसमेंट ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल वॉयलेंस विथ द हेल्प ऑफ ड्राइंग' के लिए ड्राफ्ट रिपोर्ट भी जारी की गई। इस रिपोर्ट को एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ साइकिएट्री की मदद से बनाया गया है, रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्राइंग, बच्चों से बातचीत शुरू करने का सही माध्यम है। जरूरी है पैरेंट्स भी बच्चों की कलात्मकता में छिपे मनोभावों को समझें। यह उनकी सुरक्षा से जुड़ा पहलू तो है ही, उनके मन को समझने का एक प्यारा-सा जरिया भी है।

बच्चे की रुचि-रुझान को जानें-समझें

पैरेंट्स को इस क्षेत्र में अपने बच्चों के रुचि-रुझान को गंभीरता से देखने-समझने का भी प्रयास करना चाहिए। सचमुच दिलचस्पी हो तो बचपन में भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी आर्ट, आगे चलकर बच्चे को आर्ट की दुनिया में अपना भविष्य बनाने की राह बना सकते हैं। इसीलिए बच्चों के आर्ट-क्राफ्ट से जुड़े कामों की प्रशंसा अवश्य करें। स्केचिंग, पेंटिंग, स्कल्प्चर मेकिंग या क्ले, ये सब जब बच्चे मन से करें तो उनकी रुचि को देखते हुए इससे जुड़े सामान लाकर देकर उन्हें प्रोत्साहित करें। अपने परिवार में उनकी रुचि की चर्चा कर प्रेरणादायी परिवेश बनाएं। बचपन की रंगीन यादों को सहेजने के लिए उनके बनाए आर्ट वर्क को फ्रेम करवाकर घर में लगाएं। बच्चों के कमरे की सजावट के लिए उनके ही बनाए चित्र लगाना भी एक अच्छी पहल होगी। जरूरी यह भी है कि पैरेंट्स उनके क्रिएटिव एक्सप्रेशन की उपेक्षा करने के बजाय, इससे जुड़ी जानकारियां उनसे साझा करें। आज की वर्चुअल व्यस्तता में बच्चों को आर्ट एग्जीबिशन में ले जाने जैसी एक्टिविटी बच्चों की रुचि को समझने में हेल्प करेगी। साथ ही पार्क, चिड़ियाघर, प्राकृतिक स्थल और म्यूजियम जैसी जगहों पर भी बच्चे बहुत मन से चीजें देखते हैं। ज्यादातर बच्चे जानवरों और मौसम के रंगों को देखते हैं। इन्हें वे अपनी आर्ट में ढालने में भी रुचि लेते हैं।

तारीफ करना भी एक कला है

अगर कोई अच्छा काम कर रहा है तो उसकी तारीफ हमें जरूर करनी चाहिए, इसका इंसान पर बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लेकिन यह तभी संभव है, जब हम तारीफ सही ढंग से करेंगे। तारीफ कैसे की जाए, इसके क्या फायदे हैं, जानिए।

सलीका
शिखर चंद जैन

तारीफ करना वैसे तो एक सामान्य-सी आदत है, लेकिन इसका सही समय पर ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो यह सामने वाले का आत्मविश्वास बढ़ा सकती है, रिश्ते मजबूत कर सकती है। इतना ही नहीं तारीफ वर्किंग प्लेस की प्रोडक्टिविटी में भी इजाफा कर सकती है। डेल कार्नेगी से लेकर रॉबर्ट सियाल्डिनी जैसे दिग्गजों ने अपनी बेस्टसेलर किताबों में तारीफ को रिश्ते मजबूत करने का सबसे कारगर तरीका बताया है। लेकिन इसमें बनावट, व्यंग्य या चापलूसी दिखाई दे तो इसका असर उल्टा भी हो सकता है। इसलिए तारीफ करना एक कला ही नहीं, मनोविज्ञान भी है।

तारीफ का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: तारीफ इंसानी स्वभाव से जुड़ी एक बुनियादी जरूरत को पूरा करती है। यह जेनुइन रिकगनिशन यानी ईमानदार मान्यता है। इस पर पारस्परिकता का नियम यानी लॉ ऑफ रेसीप्रोसिटी भी लागू होता है। सोशल साइकोलॉजिस्ट रॉबर्ट सियाल्डिनी के अनुसार, 'जब आप किसी की तारीफ करते हैं, तो वह मनोवैज्ञानिक रूप से आपका साथ देने या आपको पसंद करने के लिए बाध्य महसूस करता है। तारीफ केवल शब्द नहीं है, सामने वाले के अस्तित्व को दी गई एक मान्यता है। हर इंसान को तारीफ की जरूरत होती है। अब्राहम मेस्लो का 'हायरार्की ऑफ नीड्स' सिद्धांत कहता है कि जब किसी को ईमानदारी से सराहा जाता है तो उसके अंदर 'सेल्फ-वैल्यू' की भावना उत्पन्न होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और प्रेरणा के लिए आवश्यक है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि अगर आप किसी की तारीफ कर रही हैं या तारीफ करना चाहती हैं तो इसके कुछ वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलुओं को अवश्य ध्यान में रखें।

स्पेसिफिक तारीफ करें: किसी की तारीफ जनरेलाइज के बजाय स्पेसिफिक रहकर करें। 'आप अच्छा काम करते हैं' के बजाय इस तरह से कहकर तारीफ करें 'आपने रिपोर्ट में जो डेटा विजुअल्स डाले, वे वास्तव में बेहद असरदार थे।' ऐसा कहने का ज्यादा प्रभाव होगा।

प्रयासों की सराहना करें: माइंडसेट पुस्तक के लेखक कैरल ड्वेक के अनुसार, 'किसी की बुद्धि के बजाय उसके कठिन परिश्रम की तारीफ करने से वह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होता है।'

सही मौके पर करें तारीफ: तारीफ का प्रभाव तब ज्यादा होता है, जब वह किसी कार्य या घटना के तुरंत बाद की जाती है। देरी से की गई तारीफ का प्रभाव कम हो जाता है, भले ही वह कितनी भी ईमानदारी से क्यों न की गई हो।

तारीफ करने-सुनने के फायदे

प्रोडक्टिविटी में इजाफा: गैलप के एक सर्वे के मुताबिक जिन कर्मचारियों को नियमित प्रशंसा मिलती है, वे 21 फीसदी अधिक प्रोडक्टिव होते हैं। वहीं हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के अध्ययन के अनुसार सराहना पाने वाले कर्मचारियों में क्रिएटिविटी, टीमवर्क और एंप्लॉई सेटिस्फेक्शन का स्तर अधिक पाया गया।

तनाव-अवसाद में कमी: यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया की एक स्टडी में पाया गया कि प्रशंसा से एंग्जायटी और डिप्रेशन के स्तर में कमी आती है।

रिश्तों में मिलती है मजबूती: इंटरनेशनल सोशल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार तारीफ से पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में भरोसा और अपनापन बढ़ता है। जॉन गॉटमैन इंस्टीट्यूट की स्टडी कहती है कि ईमानदार प्रशंसा एक मजबूत भावनात्मक बैंक बैलेंस बनाने में मदद करती है, जिससे टकराव के समय भी रिश्तों में मजबूती बनी रहती है।

डोपामाइन का संचार: जब हमारी तारीफ होती है, तो मस्तिष्क में 'डोपामाइन' नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो हमें खुशी और संतुष्टि का अहसास कराता है। यह वही रिवॉर्ड सिस्टम है, जो खुशी प्रदान करती है।

पीठ पीछे भी करें तारीफ: जब आप किसी की अनुपस्थिति में उसकी सराहना करती हैं, तो जब वह बात उस तक पहुंचती है, उसका मूल्य दोगुना हो जाता है। इसके लिए आपको ऐसे लोगों के बीच तारीफ करनी होगी, जो उसके संपर्क में रहते हैं।

बॉडी लैंग्वेज का रखें ध्यान: तारीफ में बॉडी लैंग्वेज काफी महत्वपूर्ण होती है। आंखों में देखना, मुस्कुराना और सौम्य स्वर में प्रशंसा करने से सामने वाले को वास्तविकता का बोध होता है। यह तारीफ को प्रभावशाली बनाता है।

पब्लिक में प्रशंसा: सबके सामने की गई तारीफ व्यक्ति के सामाजिक सम्मान को बढ़ाती है, उसे आपके प्रति वफादार बनाती है।

सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बैसाखी का पर्व

बैसाखी एक ऐसा सांस्कृतिक पर्व है, जिसे पूरे देश में अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इस पर्व को नववर्ष के रूप में मनाते हैं तो कहीं फसल तैयार होने के उल्लास के रूप में। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं, धार्मिक आस्था और संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश भी देता है।

सांस्कृतिक पर्व
आर. सी. शर्मा

भारतीय समाज की संरचना जितनी मिश्रित है, उतनी ही खूबसूरत भी है। यहां धर्म, संस्कृति, भाषा और जीवनशैली की विविधताएं मिलकर एक अद्भुत ताना-बाना रचती हैं और इसी ताने-बाने को मजबूती देने में त्योहारों की इंद्रधनुषी भूमिका होती है। बैसाखी का पर्व मुख्य तौर पर सिख धर्म से जुड़ा है। 13 अप्रैल 1699 को इसी बैसाखी के दिन ही खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोविंद सिंह द्वारा की गई थी। इसलिए यह दिन सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण और आत्म-गौरव का प्रतीक पर्व माना जाता है। इसे कई अन्य प्रदेशों में भी मनाया जाता है।

कई रूपों में मनाते हैं पर्व: बैसाखी के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग धार्मिक और सांस्कृतिक रूपों में नववर्ष का उल्लास देखने को मिलता है। इसी दिन पश्चिम बंगाल में पोइला बोइशाख यानी बंगाली नववर्ष भी मनाते हैं। इस दिन वहां सांस्कृतिक जुलूस, गीत, संगीत के आयोजन होते हैं। पारंपरिक नए परिधानों में सजे लोग पोइला बोइशाख धूमधाम से मनाते हैं। बंगाल में यह दिन व्यापारियों के लिए नया खाता खोलने का दिन भी माना जाता है। केरल और असम में भी क्रमशः विशु और बोहाग बिहू जैसे रंग-बिरंगे त्योहारों की छटा इसी अवसर पर बिखरती है। केरल में विशु पर्व, समृद्धि और नए आरंभ का प्रतीक माना जाता है। बोहाग बिहू, असम का सबसे बड़ा पर्व खेती और नववर्ष दोनों का साझा उत्सव होता है, जिसमें लोकगीत और लोकनृत्यों की धूम होती है। बैसाखी के दिन जहां पंजाब, हरियाणा और समूचे उत्तर भारत में गुरुद्वारों में कीर्तन, लंगर का आयोजन होता है, वहीं तमिलनाडु में इस दिन पुथांडु यानी तमिल नववर्ष मनाया जाता है। इस तरह यह पर्व पूरे देश में विभिन्न रूपों में मनाते हैं।

असम में मनाते हैं बोहाग बिहू

सिखों के लिए विशेष महत्व: निःसंदेह त्योहारों की इस इंद्रधनुषी छटा में बैसाखी का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। खालसा पंथ की स्थापना से जुड़ी ऐतिहासिक घटना, सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि भारत की सामाजिक क्रांति का प्रतीक भी है। खालसा पंथ की स्थापना ने सिख समुदाय को एक नई और विशिष्ट पहचान दी। खालसा पंथ की स्थापना ने दरअसल, सिख समुदाय को एक नई पहचान, अनुशासन और साहस का प्रदान किया जाना था। इस दिन देशभर के गुरुद्वारों में विशेष शबद, कीर्तन और प्रभात फेरियां आयोजित होती हैं। इस दिन भव्य लंगर का भी आयोजन होता है।

किसानों के उल्लास का प्रतीक: भले ही बैसाखी के पर्व को अलग-अलग रूपों में देश भर में मनाया जाता है। लेकिन कहीं न कहीं ये सारे नववर्षीय पर्व भारत की कृषि प्रधानता को भी रेखांकित करते हैं। उत्तर भारत में यह रबी की फसल की कटाई का समय होता है। किसानों के लिए केवल फसल काटने के लिए ही नहीं बल्कि मेहनत का फल मिलने का भी क्षण होता है। इस तरह बैसाखी किसानों की इस खुशी का उल्लास बन जाती है।

आपसी जुड़ाव का पर्व: पंजाब और हरियाणा में बैसाखी के अवसर पर खेतों में भांगड़ा और गिद्दा जैसे लोकनृत्य किए जाते हैं। यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि ईश्वर के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी होता है। बैसाखी भारतीय समाज की विविधता में एकता का प्रतीक पर्व है।

स्किन टैनिंग से होगा बचाव अपनाएं ये सरल-कारगर उपाय

स्किन केयर
नैंसी गुप्ता

गर्मी का मौसम आते ही दिन के समय बाहर निकलने पर तेज धूप और यूवी किरणें हमारी त्वचा पर असर डालने लगती हैं। इन दिनों स्किन टैन होना एक आम समस्या बन जाती है, जिससे त्वचा का रंग अनईवन या डार्क नजर आने लगता है। इनसे बचने के लिए लोग ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन आप चाहें तो कुछ सरल प्राकृतिक उपायों को आजमा सकती हैं। इससे भी स्किन टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी।

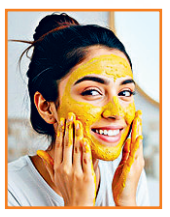

दही-बेसन का पैक: दही और बेसन का मिश्रण, त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड, टैनिंग को हल्का करने में मदद करता है, जबकि बेसन स्किन को क्लीन और एक्सफोलिएट करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार लगाने से त्वचा में निखार आता है।

नीबू-शहद का पैक: नीबू में ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में सहायक होती हैं। शहद, त्वचा को मॉयश्चराइज करता है। इन दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन क्लीन और ग्लोइंग बनती है। लेकिन ध्यान रखें कि इसे स्किन पर लगाने के बाद धूप में जाने से बचना चाहिए।

एलोवेरा से मिले स्किन को ठंडक: एलोवेरा, गर्मियों में न सिर्फ स्किन को ठंडक देता है, बल्कि टैनिंग को कम करने में भी मदद करता है। ताजे एलोवेरा जैल को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट बाद साफ पानी से धोने से स्किन फ्रेश हो जाती है।

खीरा-गुलाब जल का टोनर: खीरा त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ टैनिंग को भी कम करता है। यही गुण गुलाब जल में होता है। खीरे के रस में गुलाब जल को अच्छी तरह मिलाकर चेहरे पर लगाने से स्किन को ताजगी मिलती है।

ठंडे दूध से मसाज: कच्चा, ठंडा दूध स्किन को क्लीन करने का बेहतरीन तरीका है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और टैनिंग को धीरे-धीरे कम करते हैं।

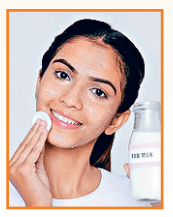

अच्छा क्लींजर है नारियल पानी: नारियल पानी स्किन को अंदर से साफ करने में मदद करता है। इसे चेहरे पर लगाने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

टमाटर का रस है इफेक्टिव: टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो टैनिंग को कम करने में मदद करते हैं। आप चाहें तो टमाटर के रस को सीधे स्किन पर लगा सकती हैं। इसका रेग्युलर इस्तेमाल करने से स्किन ब्राइट होती है और सन रेज से होने वाला स्किन डैमेज कम होता है।

(स्किन केयर एक्सपर्ट निर्मल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेबी प्लानिंग से पहले कई लेवल पर करें तैयारी

अगर आप बेबी प्लान कर रही हैं तो आपको अपनी और आने वाले बच्चे की हेल्थ से जुड़ी कुछ तैयारियां कर लेनी चाहिए। कौन सी हैं वो तैयारियां, जानिए।

प्रिकॉशन
चेतना झा

घर के आंगन में किलकारी गूंजे, यह ख्वाहिश हर शादी-शुदा जोड़े की होती है। आप भी इस मोड़ पर पहुंची हैं, जहां बाहों में नन्हे-मुन्ने को समेटने को मन मचल रहा है तो कुछ तैयारियां करने का समय आ गया है। ये तैयारियां कई स्तर की हैं। कुछ शरीर के स्तर पर तो कुछ मन के स्तर पर। कुछ करियर के मसले हैं तो कुछ पारिवारिक। इन सभी के बारे में यहां आपको बता रहे हैं।

तनाव की छुट्टी: अब जब आपने मां बनने का निर्णय लिया है तो सबसे पहले तनाव को गुड बाय कहिए। तनाव दरअसल, बर्थ कंट्रोल की गोलियों की तरह ही काम करता है। जाहिर है, मां बनना चाहती हैं, तो इसे छोड़ना होगा। इससे बचने के लिए पहचानिए क्या हैं आपके तनाव के खास कारण। यदि पैसों के मामले में जीवनसाथी से झगड़े होते हैं तो बेहतर है कि पहले काउंसलर या फाइनेंशियल प्लानर से बात कर समस्या को जड़ से दूर करें। कोलाहल भरे रास्ते से आना-जाना मजबूरी हो तो क्यों ना कोई ऐसा वैकल्पिक रास्ता ढूंढें जो भले थोड़ी अधिक दूरी का हो, पर सुकून भरा हो।

दवाओं पर दें ध्यान: बेबी प्लानिंग के साथ आप जब डॉक्टर से मिलेंगी तो वे आपको कुछ खास दवाएं लेने को कह सकती हैं। आपकी खुराक में पर्याप्त फोलिक एसिड, आयरन, कैल्शियम और विटामिंस होने चाहिए। फोलिक एसिड बच्चे को जन्मजात विकृतियों से बचाने में मददगार होता है। वहीं कैल्शियम सप्लीमेंट्स, आपकी हड्डियों और आपके दांतों की मजबूती के लिए जरूरी हैं।

न्यूट्रिशस डाइट: खाने में दूध और दूध से बने पदार्थ जैसे खोया, पनीर, छेना आदि शामिल करना चाहिए। मौसमी सब्जियां और फल जैसे गाजर, टमाटर, सेब, केला, नारंगी आपको अपनी डेली डाइट में शामिल करना जरूरी है। ये फल आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन-ए, विटामिन-सी आदि के अच्छे स्रोत होते हैं। नॉनवेज खाती हैं तो हफ्ते में एक बार मछली, चिकन आदि खा सकती हैं। अंकुरित चना, मूंग में विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में होता है। जिन्हें मां बनने में दिक्कत आ रही है, वे महिलाएं इसका सेवन जरूर करें। थोड़ी मात्रा में सूखे मेवे भी नियमित खाएं।

रेग्युलर चेकअप: बेबी प्लानिंग से पहले और शुरुआती महीनों में आरएच टाइपिंग, ब्लड ग्रुपिंग, वीडीआरएल, एचआईवी, आस्ट्रेलियन एंटीजेन, ब्लड शुगर, टीसी, डीसी, ईएसआर, हीमोग्लोबिन, थायरॉइड हार्मोंस जैसे- टी थ्री, टी फोर और टीएसएच, सीरम एफएसएच, एलएच, प्रोलेक्टिन, यूरिन कल्चर टेस्ट आदि जरूरत के मुताबिक डॉक्टर कराते हैं। प्रेग्नेंसी प्लान से पहले पति के स्पर्म की भी जांच कराते हैं। डॉक्टर पहले ही आश्वस्त हो जाते हैं कि संभावित गर्भ में थैलिसिमिया जैसी जेनेटिक बीमारियां नहीं हो। डॉक्टर की राय के अनुसार ये टेस्ट कराने में लापवाही न बरतें। ऐसा करना आपकी और होने वाले बच्चे की हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है।

(स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी लाल से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

दुर्बलनाथ धर्मशाला में मनाई आंबेडकर जयंती

भिवानी। संविधान निर्माता भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर नया बाजार स्थित दुर्बलनाथ धर्मशाला में खटीकान प्रगतिशिल ट्रस्ट द्वारा श्रद्धासुमन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान सुरेश कुमार ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने देश व दुनिया को एक अलग राह दिखाने का कार्य किया, उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर इंद्रसिंह पंवार, मुकेश खटीक, केदारनाथ, शिवलाल, राजेन्द्र बुंदेला, विनोद पंवार, देवकरण खान, प्रदीप पंवार, बिट्टू बुंदेला व गोवंधनदास आदि मौजूद थे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धा सुमन किए अर्पित

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग के द्वारा कैंपस के सभागार में डॉ भीम राव आंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एवं पूर्व सूचना आयुक्त विभाग के प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस शिव रमन गौड़ ने छात्रों को डॉ भीम राव आंबेडकर के विचारों और उनकी जीवनी से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि डॉ. आंबेडकर ने कानून मंत्री रहे और आवश्यक सामाजिक विधान पारित करवाने में अहम योगदान दिया। शिक्षा की एहमियत समझते हुए उन्होंने भारतीय समाज में एक स्थायित्व देने और सही दिशा देने के लिए ठोस नींव रखी।

कलाकार पर कार्रवाई की मांग, सौंपा ज्ञापन

लोहारू। पिछले दिनों हरियाणवी गायक कलाकार ने मंच पर अश्लीलता की हदें पार करने का सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद लोहारू में जनअधिकारी समाज कल्याण समिति और अनेक गणमान्य लोगों ने इसका विरोध जताया है। लोगों ने उक्त मामले में गायक कलाकार पर कार्रवाई की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। वहीं लोहारू के अधिवक्ता अशोक आर्य ने बहल पुलिस थाने में उक्त गायक के खिलाफ शिकायत दी है। एडवोकेट अशोक आर्य ने बताया कि देहरादून में गत दिनों कार्यक्रम में मासूम शर्मा नामक कलाकार ने अश्लीलता की सारी हदें लांघ दी और मंच से सरेआम गंदी भाषा का प्रयोग किया है।

अव्यवस्थाओं को लेकर सरकार बरसे चौटाला

भिवानी। हरियाणा की राजनीति में किसान और मंडियों का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला ने सोमवार को भिवानी अनाज मंडी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अनाज मंडी में इनेलो स्थापित किए गए फसल खरीद सेवा केंद्र के माध्यम से किसानों और आढ़तियों की समस्याओं को सुना, बल्कि प्रदेश की गठबंधन सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए उसे किसान विरोधी करार दिया। अभय चौटाला ने कहा कि किसान अपनी फसल बेचने के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

उपनागरिक अस्पताल में स्वच्छता अभियान शुरू

लोहारू। सोमवार को एसएमओ डॉ. ओपी डूडी की अध्यक्षता में उपनागरिक अस्पताल परिसर में सात दिवसीय स्वच्छता अभियान की शुरूआत की,जिसके तहत अस्पताल में परिसर में स्टाफ सदस्यों ने सफाई की और लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। डॉ. ओपी डूडी ने कहा कि लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने के लिए साप्ताहिक स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गई है, जिसके तहत अस्पताल परिसर में घास फूस हटाया गया और सफाई की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से सौंदर्यीकरण बढ़ने के साथ साथ आसपास के माहौल में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। जिससे व्यक्ति की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता में ही भगवान का निवास होता है।

गुरुद्वारा सिंह सभा में श्रद्धापूर्वक मनाया खालसा पंथ सर्जना दिवस

गुरुजी ने आज के दिन हजारों की संख्या में से मांगे थे पांच सिर

गुरु गोविंद सिंह ने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए हैं, जिन्हें पंज ककार कहा जाता है। वर्ष 1699 में बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोबिंद सिंह ने करके नई कौम को जन्म दिया था।

श्रीगुरु गोबिंदसिंह ने अपने हाथों से अमृतपान करवा सिखों को दी पंजप्यारों की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। श्रीगुरुग्रंथ साहिब के दर्शन करते श्रद्धालु व घंटाघर चौक स्थित मुख्य गुरुद्वारा में लंगर में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। *फोटो : हरिभूमि*

गुरुद्वारा सिंह सभा की संगत की ओर से वैशाखी पर्व एवं खालसा पंथ सर्जना दिवस को बड़े ही श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया। घंटाघर स्थित मुख्य गुरुद्वारा परिसर में श्रीसुखमनी साहिब पाठ के भोग डाले व शब्द कीर्तन उपरांत लंगर बताया। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं ने श्रीग्रंथ साहिब के दर्शन किए। मुख्य ग्रंथी ज्ञानी प्रेम सिंह ने बताया कि बैसाखी वाले दिन श्रीआनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की सर्जना करके दशम पिता श्रीगुरु गोविंद सिंह ने क्रांतिकारी संदेश दिया था तथा हिंदुस्तान की जनता में नई आत्मा डाली थी।

गुरुजी ने आज के दिन हजारों की संख्या में से एक-एक करके पांच सिरो की मांग की थी। बाद में इन सिखों को अपने हाथों से अमृतपान करवाकर पांच प्यारों की उपाधि दी थी और खालसा पंथ की स्थापना की। इन पांच प्यारों में भाई दयालसिंह, भाई धर्मसिंह, भाई मोहकमसिंह, भाई साहिबसिंह व भाई हिम्मत सिंह शामिल थे। गुरु गोबिंद सिंह के बचपन में गोबिंदराय के नाम से बुलाया जाता था। गुरु गोविंद सिंह ने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए हैं, जिन्हें पंज ककार कहा जाता है, ये पांच चीजें केश, कड़ा, कृपाण, कंघा एवं कच्छा हैं। वर्ष 1699 में बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोबिंद सिंह ने करके नई कौम को जन्म दिया था।

सिख धर्म में पुरुष नाम के पीछे सिंह और महिला कौर रखने के आदेश गुरुजी ने दिए थे। इस अवसर पर प्रधान इंद्रमोहन सिंह, भरत कामरा, अवतार सिंह, प्रेम मुटरेजा, रजनीश चावला, विजय सनेजा, करनेल बागड़ी, गुरशरण सिंह, महेंद्रसिंह, प्रेमसिंह, कमलदीप सिंह, खरेतीलाल बत्रा, अंजू बाला, अमरजीत कौर व नवदीप कौर आदि मौजूद रहे।

भिवानी। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व अन्य।

समानता व न्याय को बढ़ाने का संकल्प लिया

भिवानी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास में आज भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी, भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहिंदर सिंह ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। दीपक कुंडू -टीजीटी -सामाजिक विज्ञान ने छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन संघर्षों, उनकी उच्च शिक्षा और भारतीय संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान के बारे में जानकारी दी। छात्रों और शिक्षकों ने बाबा साहब के दिखाए गए 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के मार्ग पर चलने और समाज में समानता व न्याय को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानने और शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देता है।

सफाई अभियान चलाकर,ग्रामीणों को सेवा एवं स्वच्छता का दिया संदेश

- महापुरुषों के स्मारकों को स्वच्छ रखना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : सुनील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को नमन करते ग्रामीण।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश स्तर पर चलाए जा रहे विशेष संगठनात्मक कार्यक्रमों की कड़ी में सोमवार को विभिन्न गांवों में स्वच्छता एवं सेवा का संगम देखने को मिला। भाजपा ग्रामीण मंडल की टीम ने ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील भारद्वाज धारेडू की अध्यक्षता में गांव धारेडू, बडाला, बामला और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर भवनों में व्यापक सफाई अभियान चलाया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। सफाई अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने न केवल परिसर की सफाई की, बल्कि ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। मंडल अध्यक्ष सुनील भारद्वाज ने स्वयं झाड़ू थामकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर राजकुमार फौजी, सुरेश सोलंकी, कैलाश, शांति, रतनी, प्रेम, राजल, शकुंतला बिना, संदोखी, रेखा, संतोष, चंद्रकला, सुशीला, कमल व सुमन आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बैसाखी के महत्व को दर्शाया

- आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

चरखी दादरी। कार्यक्रम में हिस्सा लेते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बौंद कलां में सोमवार को विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशक प्रताप सिंह यादव के प्रेरणादायक विचारों से हुई। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों को विकसित करते हैं तथा हमें महान विभूतियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। विद्यालय परिसर में जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत कर शहीदों के बलिदान को याद किया। इसके साथ ही विद्यालय में वैसाखी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से इस त्योहार के महत्व को दर्शाया। वहीं, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती भी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई।

उदय सिंह ने बॉक्सिंग में गाड़े झंडे

बवानीखेड़ा। शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकादमी के खिलाड़ी उदय सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उदय सिंह ने 7वीं नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अकादमी के कोच विनय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उदय सिंह ने 44–46 किलोग्राम भार वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की है। यह प्रतियोगिता 4 से 11 अप्रैल तक नागपुर, महाराष्ट्र में आयोजित हुई, जिसमें देशभर के खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच उदय सिंह ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उदय सिंह की इस सफलता पर अकादमी और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर एमसी बलवान सिंह, विपिन, सर्वेश सैनी, दीपक चौधरी और वजीर संदीप सहित अन्य लोगों ने खिलाड़ी का हौसला बढ़ाया और उसे बधाई दी। कोच और स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि उदय सिंह भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन कर क्षेत्र व देश का नाम रोशन करेगा।

बवानीखेड़ा। पदक विजेता को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान ने उठाई जीर्णोद्धार की मांग

बदहाली के आंसू बहा रही भारत भवन धर्मशाला

चार मंजिला इमारत लगभग 40 कमरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। शिविर में समस्या उठाते पूर्व जिला पार्षद मान व जर्जर हालत में भारत भवन धर्मशाला।

भारत भवन धर्मशाला आज अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है, कभी मरीजों के तीमारदारों को छत देने के उद्देश्य से बनाई इमारत अब प्रशासन की अनदेखी के चलते खंडहर में तब्दील हो चुकी है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान ने मोर्चा खोल दिया है और प्रशासन से इसके पुनः जीर्णोद्धार की पुरजोर मांग की है। मान ने सोमवार को समाधान शिविर में उपायुक्त को सौंपे पत्र में बताया कि चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के आपातकालीन गेट के सामने चार मंजिला इमारत, जिसमें लगभग 40 कमरे और 10 दुकानें हैं, जो पिछले पांच वर्षों से पूरी तरह लावारिस पड़ी है और देखरेख के अभाव में पूरी इमारत में कूड़े-कचरे के ढेर लगे हैं। मान ने चिंता जताई कि सुनसान होने के कारण असामाजिक तत्वों द्वारा इसका इस्तेमाल अनैतिक कार्यों में किया जा रहा है, जो शहर की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है।

मरम्मत करवाई जाए

शिकायत में पूर्व पार्षद ने इमारत के ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चौधर बंसीलाल ने दूर-दराज से आने वाले गरीब मरीजों के परिजनों के ठहरने के लिए जगह को अलॉट किया था। उनका उद्देश्य था कि अस्पताल में दाखिल मरीजों के तीमारदारों को रात गुजारने के लिए दर-दर न भटकना पड़े। आज शासन-प्रशासन की लापरवाही ने इस नेक मकसद को ही खत्म कर दिया है। मान ने हरियाणा सरकार और जिला प्रशासन से अपील की कि इमारत की अविलंब साफ-सफाई और मरम्मत करवाई जाए और ये स्पष्ट किया जाए कि इमारत किस विभाग नगर परिषद या जिला परिषद के अधीन है, ताकि जवाबदेही तय हो सके तथा इसे जल्द जनता के लिए खोला जाए, ताकि जिलेभर से आने वाले मरीजों के परिजनों को राहत मिल सके।

9 को होने वाला महाराणा प्रताप जंयती समारोह होगा ऐतिहासिकः मड्डू

- जयंती समारोह को लेकर परमजीत मड्डू ने चलाया जनसम्पर्क अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। वरिष्ठ भाजपा नेता परमजीत सिंह मड्डू।

भाजपा के वरिष्ठ नेता परमजीत सिंह मड्डू ने कहा कि अम्बाला के शहजादपुर में 9 मई को होने वाले महाराणा प्रताप की जयंती समारोह ऐतिहासिक होगा। उक्त समारोह में प्रदेश के हर कोने से हजारों की तादाद में लोग पहुंचेगें। भीड़ की लिहाज से जयंती समारोह इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा। जयंती समारोह के प्रति समाज के लोगों में जबरदस्त उत्साह बना है। वे आज जनसम्पर्क अभियान के तहत गांव तिगड़ाना में महाराणा प्रताप जयंती समारोह में बेहतरीन भागीदारी के लिए लोगों को न्यौता दे रहे थे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यअतिथि शामिल होंगे। समारोह कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा की देखरेख में आयोजित होगा। समारोह में समाज के अनेक नेता व हस्तियां शामिल होकर जयंती की शौभा बढाएगी। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी एक विशेष जाति के नहीं होते। इस जयंती समारोह में 36 बिरादरी के लोग शामिल होने का आहवान किया। साथ ही उन्होंने बताया कि जल्द ही कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा भिवानी व चरखी दादरी जयंती समारोह का न्यौता देने के लिए पहुंचेंगे। इस मौके पर उनके साथ शैली जेलदार, कर्मबीर तंवर, दीपा तंवर,कैप्टेन नरेंद्र, प्रदीप ढाला, विजेंद्र,कैप्टेन रविंद्र आदि मौजूद थे।

न्यूज डायरी

विकसित दादरी रैली में वास्तविक समस्याओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया : मनीषा सांगवान

चरखी दादरी। कांग्रेस की वरिष्ठ महिला नेत्री और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ. मनीषा सांगवान ने गत 11 अप्रैल को दादरी में आयोजित भाजपा की विकसित दादरी रैली पर निराशा जताते हुए कहा हैं कि दादरी की जनता को इस रैली से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्हें केवल निराशा हाथ लगी है। सांगवान ने आरोप लगाया कि सरकार ने रैली में केवल पुरानी और घिसी-पिटी योजनाओं की घोषणा की जबकि क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। मनीषा सांगवान ने कहा कि दादरी की जनता लंबे समय से बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग कर रही है, लेकिन मुख्यमंत्री के संबोधन में न तो नए सरकारी स्कूलों का जिक्र हुआ और न ही जर्जर हो चुके नागरिक अस्पताल की हालत सुधारने पर कोई ठोस बात की गई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा केवल रैलियों और विज्ञापनों में विकास दिखा रही है, जबकि धरातल पर लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। कांग्रेस नेत्री ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मास्टर हुक्म सिंह का जिक्र करते हुए सरकार पर भेदभावपूर्ण राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा हुकम सिंह इस हलके के पहले मुख्यमंत्री थे, जो एक बड़े जनसेवक और गौ-सेवक के रूप में विख्यात रहे। वे आज से करीब 36 साल पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन बेहद दुख की बात है कि आज तक दादरी में उनके नाम पर कोई स्टेडियम या बड़ी परियोजना स्थापित नहीं की गई।

16 से स्वयं कर सकेंगे जनगणना के पहले चरण का कार्य, 33 प्रश्नों के देने होंगे उत्तर : उपायुक्त

चरखी दादरी। जनगणना संचालन में बदलाव के चलते, निवासियों के पास आगामी जनगणना 2027 में स्व-गणना के माध्यम से भाग लेने का विकल्प होगा, यह एक नई सुविधा है जो 16 अप्रैल से शुरू होगी, अधिकारियों का कहना है। उपायुक्त डा मुनीश नागपाल ने बताया कि स्व-गणना प्रक्रिया नागरिकों को समर्पित पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार का विवरण सुरक्षित रूप से ऑनलाइन भरने की सुविधा प्रदान करेगा और शहर में घर-घर जाकर जनगणना शुरू होने से पहले पोर्टल 15 दिनों की अवधि के लिए खुला रहेगा। उन्होंने कहा कि जनगणना 2027 की स्व-गणना प्रक्रिया नागरिकों को पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार का विवरण सुरक्षित रूप से ऑनलाइन भरने की सुविधा देती है। पहले चरण के लिए आवश्यक 33 प्रश्नों के उत्तर 15-20 मिनट के भीतर भरें और जमा करें ताकि आपको 11 अंकों की आईडीप्राप्त हो सके। जब जनगणना अधिकारी आपके घर आते हैं, तो आपको त्वरित सत्यापन के लिए केवल आईडी प्रदान करनी होगी, न कि पूरा साक्षात्कार देना होगा।

छात्राओं ने कविताएं और प्रेरक प्रसंग सुनाकर देशभक्ति की भावना को जाग्रत किया

बहल। कस्बे के लोहारू रोड स्थित शहीद-ए-आजम भगत सिंह स्मारक स्थल पर अमर शहीद क्रांति दिवस बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जेपी दलाल तथा शहीद भगत सिंह के पौत्र यादवेन्द्र सिंह सिंधु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रविवार को कार्यक्रम की शुरुआत में पूर्व मंत्री जेपी दलाल व यादवेंद्र सिंह सिंधु ने शहीद भगत सिंह स्मारक के सौंदर्यकरण का उदघाटन किया। अतिथियों ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। कार्यक्रम में कॉलेज छात्राओं ने शहीदों के सम्मान में कविताओं, प्रेरक प्रसंग सुनाकर लोगों ने देशभक्ति की भावना को जाग्रत किया। पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि भगत सिंह केवल एक नाम नहीं, बल्कि देशभक्ति, साहस और बलिदान की मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को शहीदों के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिला नेतृत्व में विकास का नया दौर होगा शुरू: उपायुक्त

चरखी दादरी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 कानून से महिला नेतृत्व में विकास का नया दौर शुरू होगा। यह कानून महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें निर्णय लेने वाली शक्ति के रूप में स्थापित करेगा और भारतीय राजनीति में महिलाओं की नई भूमिका तय करेगा। 2029 के लोकसभा चुनाव में ही महिलाओं को पूरी भागीदारी मिल सकेगी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 महिलाओं के लिए एक नया युग लेकर आएगा। यह कानून विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण कदम है। इस कानून से महिला नेतृत्व में विकास का नया दौर शुरू होगा। कानून आधी आबादी को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देने का मजबूत संकल्प है। यह न केवल महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि समावेशी और संतुलित विकास के लिए भी आवश्यक है।

सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ नागरिकों की समस्याओं का निपटारा करें अधिकारी

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने हरियाणा पहचान पत्र प्राधिकरण के राज्य समन्वयक डॉ. सतीश खोला के साथ समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविरों की शिकायतों का सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ शीघ्र निपटारा करें। शिकायत का निपटारा करते समय संबंधित नागरिक से संवाद करें तथा उन्हें विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही की जानकारी देकर संतुष्ट करें ताकि शिकायतों का स्थाई समाधान हो सके। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार नागरिकों की हर समस्या का एक छत के नीचे तुरंत निदान करने के उद्देश्य से हर सोमवार व वीरवार को जिला मुख्यालय एवं उपमंडल पर सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। इन शिविरों में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। विभागों को हिदायतें जारी की गई है कि वे समाधान शिविरों में प्राप्त हर शिकायत का यथाशीघ्र उचित निपटारा करें।

नहीं होती नालियों की सफाई, परेशानी झेल रहे हैं लोग

दावे में नहीं दम, सफाई व्यवस्था बेदम नाला बनीं सड़कें, बह रहा गंदा पानी

बवानीखेड़ा में सफाई पर 15 लाख खर्च, हालत नहीं सुधरी

भिवानी। गौशाला मार्केट इलाके में सड़कों पर जमा पानी का दृश्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भले ही शहर की सफाई व्यवस्था पटरी पर लाने को लेकर प्रशासन अपनी पीठ थपथपा रहा हो,लेकिन सीवर व्यवस्था बेकाबू होती नजर आ रही है। नाले व नालियों की सफाई न होने की वजह से शिल्ट सड़कों पर फैलने लगी है। सुबह व शाम के वक्त आधे व अंदरूनी शहर की सड़कों पर गंदा पानी फैल जाता है। पानी की निकासी नहीं होने से लोगों को गंदे पानी से ही गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है।

शहर की गौशाला मार्केट क्षेत्र, हरजीकान चौक, हालवासिया की हवेली तथा पुराना पटवारखाना इलाके की अधिकांश नाली व नाले गंदगी से उपर तक अटे है। सुबह व शाम के वक्त इन जगहों पर करीब आधा आधा फुट तक पानी जमा हो जाता है। सड़ाध से श्वास के रोगियों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। क्योंकि सड़ांध वाली हवा से फेफड़ों पर बूरा असर पड़ता है।

एक माह से समस्या

लोगों ने बताया कि समस्या एक माह से बनी है। पिछले कई दिनों उक्त नालों, नालियों व सीवर के मेनहोल की सफाई ही नहीं हो पाई है। जिस वजह से इनमें ज्यादा शिल्ट जमी हुई है। उन्होंने बताया कि इस बारे में कई बार नगरपरिषद व पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों को सूचित किया,लेकिन कोई समाधान नहीं हो पाया है।

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा शहर में सीवर व्यवस्था को सुधारने के लिए लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद स्थिति में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। स्थानीय लोगों में हनुमान, सोमबीर, राजेश, विनय, गोपाल, संजय आदि का कहना है कि जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर सीवर की सफाई कर सीवरेज प्रणाली को दुरूस्त करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है।

कई स्थानों पर सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं और गंदा पानी सड़कों पर जमा हो रहा है, जिससे बदबू और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। खासकर बाजार क्षेत्र, वीके फोटो स्टेट के सामने, हुड्डा कॉलोनी और आसपास की गलियों में हालात ज्यादा खराब बताए जा रहे हैं। सीवर सफाई के नाम पर केवल औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। मशीनों से सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन सीवर लाइनों की गहराई से सफाई नहीं हो पाती, जिसके कारण थोड़े समय बाद ही समस्या फिर से खड़ी हो जाती है। शहीद गुलाब सिंह पार्क के सामने मुख्य मार्ग पर सीवरेज का ढ़क्कन चंद दिनों में क्षतिग्रस्त होता हुआ देखा जाता है।

बवानीखेड़ा। सीवरेज की गंदगी से निकला हुआ गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

क्या कहते है अधिकारी

इस बारे में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कनिष्ट अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि 15 लाख की लागत से टेंडर लगाकर सफाई व्यवस्था करवाई गई, जल्द दोबारा सीवरेज की सफाई करवाई जाएगी। इसके अलावा खेड़ी रोड़ से एसटीपी तक पाइपलाइन बिछवाकर सीवरेज की समस्या को जड़ से समाप्त किया जाएगा। वहीं उन्होंने बताया कि सोमवार को मुख्य लाइन टूटने से दिक्कत पैदा हुई, काम शुरू किया जा रहा है।

क्या कहते है चेयरमैन

नपा प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि शहर में सीवरेज की समस्याएं आ रही है वे स्वयं पार्षदों संग टीम बनाकर वार्ड वाइज मुआयना करेंगे और संबंधित विभाग संग मिलकर समस्या का समाधान करवाने का कार्य करेंगे ताकि दिक्कत न हो।

दुकानदारों की ग्राहकी में हुआ फर्क

दुकानदारों में मुकेश, श्यामसुंदर, हरिराम, प्रवीण, अशोक आदि ने भी चिंता जताते हुए कहा कि सीवर के गंदे पानी के कारण ग्राहकों की आवाजाही कम हो रही है, जिससे उनके व्यापार पर भी असर पड़ रहा है। बदबू और गंदगी के कारण लोगों का वहां रुकना मुश्किल हो गया है। हर समय लोगों को बीमारियों का भी खतरा बना रहता है। सांस के मरीजों को अधिक परेशानी होती है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि सीवर व्यवस्था को स्थायी रूप से सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।, उन्होंने नियमित और प्रभावी सफाई के साथ-साथ पुराने और जाम सीवर पाइपों को बदलने की मांग की है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

खबर संक्षेप

उत्साह से आंबेडकर जयंती व बैसाखी पर्व मनाया

भिवानी। आदर्श शिक्षण संस्थान में आज बड़े उत्साह के साथ अंबेडकर जयंती और बैसाखी पर्व मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था निदेशक डा. राजेश श्योराण ने डॉ. बीआर अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की, इसके बाद विद्यार्थियों ने भाषण एवं कविता की प्रस्तुतियाँ दीं। बैसाखी के अवसर पर पंजाबी लोक नृत्य (भांगड़ा/गिद्धा) भी प्रस्तुत किया गया। संस्था निदेशक ने कहा कि आज हम यहाँ दो महत्वपूर्ण अवसर—अंबेडकर जयंती और बैसाखी—को मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं, डॉ. बीआर अम्बेडकर ने अपने जीवन में शिक्षा और समानता का जो संदेश दिया, वह हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। इस अवसर पर संस्था के सचिव डॉ. सरिता श्योराण, प्रिंसीपल शारदा शर्मा, प्रिंसीपल अनिता वर्मा, डॉ. हरिकिशन शर्मा, ज्योति शर्मा, कैप्टेन सुखबीर सिंह धायल, कैप्टेन सोमवीर यादव, रिंकू कुमार, सपना, अंजू, कविता आदि मौजूद थे।

लिटिल हार्टस में मनाई डॉ. अंबेडकर जयंती

भिवानी। लिटिल हार्टस ग्रुप ऑफ स्कूलस में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जन्मदिवस व बैसाखी पर्व पर विभिन्न गतिविधियों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एमडी पवन गोयल व भावना गोयल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर फसल उत्सव के सांस्कृतिक महत्व और सिख परंपरा में इसके विशेष स्थान को उजागर किया। उत्सव में ऊर्जा से भरपूर भांगड़ा और गिद्दा प्रस्तुतियां, लोकगीत और किसानों के जीवन पर आधारित एक नाटिका प्रस्तुत की। छात्रों ने पंजाबी संस्कृति, भोजन और पारंपरिक हस्तशिल्प का प्रदर्शन कर स्टॉल भी लगाए। इस अवसर पर प्राचार्य दीपक जोशी, प्राचार्या वीना सेठ, प्राचार्या आरती शर्मा, उपप्राचार्य मनमोहन चावला व सुदेश तुलस्यान, कोर्डिनेटर प्रियंका, पुनम, अंजना, सोनिया, चेतन, नीरू, लवप्रीत, सोनिका व अमित आदि उपस्थित थे।

निजी बस संचालकों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भिवानी। हरियाणा में रोडवेज बनाम निजी बस पास को लेकर चल रहा विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। सोमवार को स्टेज कैरिज ट्रांसपोर्ट सोसाइटीज एंड प्राइवेट बस ऑपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष डा. धन सिंह के नेतृत्व में भिवानी के एसडीएम-कम-आरटीए महेश कुमार से मिला। इस दौरान संचालकों ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार भुगतान की पारदर्शी नीति तय नहीं करती, तब तक निजी बसों में छुट के साथ पास जारी करना आर्थिक रूप से संभव नहीं है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डा. धन सिंह ने कहा कि हम यात्रियों को सुविधाएं देने के विरोधी नहीं हैं, लेकिन हमारी भी कुछ वित्तीय सीमाएं हैं। इस अवसर पर डा. धन सिंह के साथ जिला भिवानी के प्रधान दिनेश कुमार, हांसी के प्रधान दिनेश बडाला, हिसार के प्रधान विवेक सिहाग, राजेश बजीना, सुरेश वालिया, सोमबीर, जगपाल घणघस, संदीप (ढाणी माहू), नरेश सहारण, जगमाल सिंह, राजेश ईशरवाल, पूरण कुमार और राजेश गोलागढ़ सहित कई प्रमुख बस संचालक उपस्थित रहे।

शिविर में 47 यूनिट रक्त एकत्रित

भिवानी। सेवा और समर्पण की प्रतिमूर्ति रहे स्वर्गीय रूपनारायण बवेजा की 5वीं पुण्यतिथि पर सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से सोमवार को तेलीवाड़ा स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रुपनारायण बवेजा की धर्मपत्नी कृष्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित शिविर ने मानवता की मिसाल पेश की, बल्कि युवाओं में रक्तदान के प्रति एक नई ऊर्जा का संचार भी किया। इस दौरान चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल से आए डॉक्टर हर्ष की अगुवाई में कुशल मेडिकल टीम ने 47 यूनिट रक्त एकत्रित किया। इस अवसर पर डॉ. रोहित, डॉ. हरीश गोस्वामी, पूर्व चेयरमैन मामनचंद, पार्षद हर्षदीप डुडेजा, पार्षद प्रवीन चावला, अशोक यादव, विजय डुडेजा, चिंटू बवेजा, कृष्ण सैनी मौजूद रहे।

चौकों पर होर्डिंग लगाने वालों पर हो कार्रवाई

भिवानी। शहर में लगी शहीदों एवं महापुरूषों की प्रतिमाओं और उनके नाम से बने चौकों पर पोस्टर एवं होर्डिंग लगाना शहीदों का अपमान है, ये बात छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र भोलू ने शहर में शहीदों व महापुरूषों के नाम से बने चौकों पर लगे होर्डिंग व पोस्टरों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने जिला प्रशासन व सरकार से मांग करते हुए कहा कि शहीदों व महापुरूषों के नाम से बने चौकों व प्रतिमाओं पर किसी भी राजनीतिक दल चाहे वो सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों व अन्य प्रकार के पोस्टर व होर्डिंग लगाने बैन किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद कोई पोस्टर या होर्डिंग लगाता हैं तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि अगर जिला प्रशासन एक सप्ताह के अंदर-अंदर कार्रवाई नहीं करता और नोटिस नहीं लगाता है तो वे आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

रामबाग में चोर ले गए सबमर्सिबल की तार

बवानीखेड़ा। हांसी-भिवानी मुख्य मार्ग पर बस स्टैंड व राजकीय महिला महाविद्यालय के पास रामबाग में सबमर्सिबल की तार काटकर चोरी होने का मामला संज्ञान में आया है। बताया जाता है कि पहले भी कई बार रामबाग में चोरियां हो चुकी है और चोरों ने काफी नुकसान पहुंचाया जिसके चलते समिति द्वारा दिवारों पर कांटेदार तार लगवाई लेकिन चोरों द्वारा इसके बने हॉल में से छत के पंखों को उतार लिया। हालिया इस रामबाग के मुख्य द्वार के साथ लगे सबमर्सिबल की बिजली की तार को काटकर चुराकर ले गए। चोरी के पीछे नशे में धुत युवकों की तरफ समिति के सदस्यों के संकेत हैं। समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने जल्द ही मीटिंग कर ठोस कदम उठाने की बात कही।

गांव निनान में रेडीनेस मेले में अभिभावकों को किया जागरूक

भिवानी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गांव निनान में रेडीनेस मेले का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना तथा अभिभावकों को प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सुपरवाइजर काफी एवं एमपीएचडब्ल्यू शमशेर ने किया, जबकि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरोज व सहायिका ललिता की विशेष भूमिका रही। मेले में बच्चों के अभिभावकों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर विशेष ध्यान दिया। बच्चों को खेल-आधारित शिक्षा के महत्व के बारे में बताया, जिससे वे खेल-खेल में सीख सकें और उनकी रचनात्मकता का विकास हो सके। मेले के दौरान अभिभावकों को प्ले स्कूल/आंगनवाड़ी की सुविधाओं, शिक्षा पद्धति तथा उपलब्ध संसाधनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यकर्ता सरोज ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से आंगनवाड़ी/प्ले स्कूल भेजें और उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

महिला स्कूल स्त्री शिक्षा के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ : रोहतास

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी ने नवजागरण की महान हस्ती महात्मा ज्योतिबा राव फुले का 200वां जन्मदिन के उपलक्ष्य में सोमवार को गांव दूल्हेड़ी के बच्चे, बुजुर्ग, नौजवान लोगों के साथ मिलकर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। जिसकी अध्यक्षता गणपत राम बुला ने की वहीं मंच संचालन रवि तूसीड़ ने किया। इस मौके पर पार्टी के जिला सचिव रोहतास सिंह सैनी ने महात्मा ज्योतिबा राव फुले के विचारों को अपनाने और युवा पीढ़ी में ले जाने की अपील करते हुए कहा कि वैसे हालत में जब भारतीय समाज वर्णाश्रम, छुआछूत, अंधविश्वास, पाखंड और अवैज्ञानिक चिंतन से जकड़ा हुआ था देश और समाज की प्रगति लगभग अवरुद्ध हो चुकी थी ऐसे वक्त वैज्ञानिक एवं आधुनिक दृष्टिकोण से लैस क्रांति की मसाल जलाते हुए कुछ मुट्ठी भर लोग भारतीय कूपमण्डूकता तथा अंधकार को दूर करने के लिए अगली कतार में आगे आए थे, उनमें से एक थे महाराष्ट्र के ज्योतिबा राव फुले। ज्योतिबा फुले के इस महान कार्य में उनकी अर्धांगिनी सावित्रीबाई फुले ने भी कंधे से कंधा मिलाकर हर कदम पर साथ दिया था और 1 जनवरी 1848 को पहला महिला स्कूल खोलने में कामयाब हुए थे। जो स्त्री शिक्षा के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ उन्होंने सती प्रथा के खिलाफ विधवा विवाह के पक्ष में छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाई और किसनों की दुर्दशा के खिलाफ भी संघर्ष किया। इस दौरान इस मौके पर कृष्ण लाल, तेजपाल, फूलचंद, दया सिंह, फतेह सिंह, भागीराम, नारायण दास, केवल राम, मंगल सिंह, देवपाल, रविंदर, जगदीश आदि अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

डीएवी स्कूल में हवन कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, विश्व शांति की प्रार्थना

भिवानी। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल कोंट रोड प्रांगण में विशेष हवन-यज्ञ का आयोजन किया। मुख्य यजमान के रूप में युद्ध विरागंनाओं ने शिरकत की। डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी के प्रधान पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी के दिशा-निर्देशन में धार्मिक अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य जलियांवाला बाग हत्याकांड के अमर शहीदों को नमन करना और वर्तमान में वैश्विक स्तर पर मंडरा रहे युद्ध के बादलों को शांत करने की प्रार्थना करना था। विद्यार्थियों व शिक्षक वर्ग ने जलियांवाला बाग के नरसंहार में शहीद हुए वीर सपूतों की आत्मिक शांति के लिए आहुतियां डालीं। आर्यरत्न डॉ. पूनम सूरी अध्यक्ष, डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी ने अपने संदेश में कहा कि हवन के इस पावन अवसर पर पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी अध्यक्ष डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी नई दिल्ली ने कहा कि डीएवी का मूल मंत्र ही विश्व का कल्याण है। रीजनल ऑफिसर सुनीता बहल ने कहा कि डीएवी संस्थाएं हमेशा से ही वैदिक संस्कृति और राष्ट्रवाद का संगम रही हैं। प्रधानाचार्या जगदीप कौर ने कहा हमें अपने इतिहास के बलिदानों को कभी नहीं भूलना चाहिए, आज दुनिया में युद्ध का माहौल बना हुआ है, तब जागरूक नागरिक होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम विश्व शांति और भाईचारे की कामना करें।

नपा प्रधान सुंदर अत्री के जन्मदिवस के अवसर पर खेलों का आयोजन

बवानीखेड़ा। कस्बा स्थित वार्ड नंबर 1 में रेलवे लाइन पार दादी गौरी खेल स्टेडियम के कबड्डी खेल नर्सरी में नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कबड्डी और बॉक्सिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए आश्वासन दिया कि नगर पालिका की ओर से खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर उपस्थित सभी खिलाड़ियों एवं पार्षद प्रतिनिधि बलराम भरत,पार्षद बलराम गुज्जर,गणमान्य व्यक्तियों में विनोद गुज्जर,पूर्व पार्षद गजेंद्र कौशिक, राहुल पाराशर,अनिल कुमार आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। खेल नर्सरी एथलीट कोच विक्रम ने बताया कि दादी गौरी स्टेडियम में लगभग 150 खिलाड़ी अलग अलग खेलो में अपना परिश्रम करते हैं। यहां पर युवा नौकरियों के लिए शारीरिक शिक्षा भी लेते रहते है। उनके साथ दिनेश बॉक्सिंग कोच, कबड्डी कोच अनिल और विजय की अहम भूमिका रहती हैं।

भिवानी। मांगों को लेकर नारेबाजी करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

मांगों को लेकर कर्मचारियों ने की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा और पंजाब हाई कोर्ट द्वारा 23 और 31 दिसंबर 2025 को कच्चे कर्मचारियों के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसलों के बाद प्रदेश के बिजली कर्मचारियों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। आल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन (संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा) और इलेक्ट्रिसिटी एंपलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (सर्कल भिवानी) की संयुक्त बैठक में निर्णय लिया गया है कि 20 मई को प्रदेशभर के कच्चे कर्मचारी अंबाला स्थित बिजली मंत्री के कैंप हाउस पर प्रदर्शन करेंगे।

भिवानी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता सर्कल सचिव अशोक गोयत ने की, जबकि मंच का संचालन यूनिट सचिव राजेश दुल्हेड़ी और विकाश शर्मा द्वारा किया गया। राज्य ऑडिटर धर्मवीर सिंह भाटी, राज्य उप-प्रधान राजेश सांगवान, सचिव लोकेश और विजय जांगड़ा ने संयुक्त बयान जारी करते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए कि कोर्ट के आदेशों के बावजूद सरकार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने में टालमटोल कर रही है।

झूठे मुकदमों को रद्द करने को लेकर मुख्यमंत्री व श्रममंत्री को भेजा ज्ञापन

भिवानी। सैंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) के आह्वान पर सीटू भिवानी का प्रतिनिधिमंडल ने घोषित 15200 रुपए न्यूनतम वेतन लागू करने, गुरुग्राम - मानेसर के 63 मजदूरों पर दर्ज झूठे मुकदमों को रद्द व फरीदाबाद - सफीदों अग्निकांड में मृतक परिवारों को आर्थिक मदद करने के सवाल को लेकर मुख्यमंत्री व श्रममंत्री के नाम सीटीएम भिवानी के मार्फत ज्ञापन भेजा। प्रतिनिधिमंडल में सीटू जिला सचिव अनिल कुमार, कोषाध्यक्ष सदीक डाढ़म, उपाध्यक्ष सुखदेव पालवास, महावीर चांग व कमेटी सदस्य राममेहर सिंह आदि उपस्थित थे।

सीटू नेताओं ने बताया कि देश व प्रदेश की भाजपा सरकार मजदूरों को पूंजीपतियों की गुलामी की दिशा में धकेल रही है। चार लेबर कोड लागू करके मजदूरों के शोषण को बढ़ावा दिया जा रहा है। हरियाणा सरकार मोदी सरकार के नक्शे कदम पर चल रही है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

कर्मियों के समर्थन में राजनीतिक दल व संगठन

छठे दिन भी दमकल सेवाएं ठप, 16 तक हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

फरीदाबाद में बीते 16 फरवरी को हुई भीष्ण आगजनी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले दो फायर कर्मचारियों के परिवारों के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी, आर्थिक सहायता व शहीद का दर्जा न मिलने के विरोध में दमकल विभाग के कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा हैं। सोमवार को फायर कर्मचारियों की हड़ताल छठे दिन में प्रवेश कर गई, जिससे जिलेभर में अग्निशमन सेवाएं ठप रही। फायर कर्मचारी संघ के जिला प्रधान अजय श्योराण के नेतृत्व में कर्मचारियों ने भिवानी स्थित अग्निशमनन कार्यालय के बाहर धरना दिया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भिवानी। धरने के दौरान नारेबाजी करते दमकल कर्मी व विभिन्न संगठनों के लोग।

कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, वे पीछे नहीं हटेंगे। इसी कड़ी में हड़ताल में 16 अप्रैल तक हड़ताल को बढ़ा दिया है। समर्थन में कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी, एनएसयूआई के प्रधान अपने समर्थकों सहित धरनास्थल पर पहुंचे और समर्थन दिया। इस दौरान पूर्वमंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा, इनेलो जिला प्रधान अशोक ढ़ाणीमाहु, डॉ. मनजीत ढुल, पूर्ण जांगड़ा आदि ने समर्थकों सहित पहुंचकर कर्मचारियों की मांगों का समर्थन किया और सरकार से माग की कि शीघ्र ही इन कर्मचारियों की मांगों को पूरा किया जाए। धरने पर बैठे कर्मचारी अभिषेक, सुमेर सिंह, राजेश, नरेंद्र कुमार ने कहा कि फरीदाबाद में आग बुझाने के दौरान दमकमल कर्मियों ने अपनी जान की बाजी लगा दी, लेकिन सरकार ने उनके परिजनों की सूध नहीं ली। इस मौके पर सीआईटीयू से राममहेर, सुखदेव, पब्लिक हैल्थ से सूरजभान जटासरा, प्रवीण, अनिल बागड़ी, हरियाणा पॉवर कारपोरेशन यूनियन के राज्य उपप्रधान राजेश सांगवान, बिजली विभाग से खंड प्रधान अशोक गोयत, बजरंग सोनी, ने धरने को संबोधित किया।

आनंद स्कूल में बैसाखी मनाई

बवानीखेड़ा। आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर में सोमवार को विद्यालय के असेंबली ग्राउंड में बैसाखी तथा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आरंभ प्राणायाम व योग से हुआ, जिसमें सभी स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसका भरपूर लाभ उठाया। इसके पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना एवं सरस्वती वंदना से हुई।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
आर्यन कोचिंग
स्थाई एकेडमी (विश्वास का दूसरा नाम)
12वीं के बाद सरकारी नौकरी
नया बैच आरम्भ
अग्निवीर | SSC | रेलवे
हरियाणा पुलिस | हरियाणा ग्रुप-डी | CET
AIRFORCE | NAVY | ARMY
पता : बस स्टैंड के पास, चरखी दादरी
9050035973, 9812611926